गंधर्व विवाह

“प्रेषक : अन्नू निशा मेरी एक मात्र लंगोटिया दोस्त है। एक दिन की बात है, जब मैं निशा के बुलाने पर उसके घर गया तो उसके घर वाले कहीं बाहर गए हुए थे। घर में हम दोनों ही अकेले थे, उसके जान-पहचान के कोई बाबा उसके घर पर आये हुए थे। निशा बोली- ये बहुत […] ...”

Story By: (badplayer_nol)
Posted: रविवार, सितम्बर 26th, 2010
Categories: हिंदी सेक्स कहानियाँ
Online version: गंधर्व विवाह

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गंधर्व विवाह

प्रेषक : अन्नू

निशा मेरी एक मात्र लंगोटिया दोस्त है।

एक दिन की बात है, जब मैं निशा के बुलाने पर उसके घर गया तो उसके घर वाले कहीं बाहर गए हुए थे। घर में हम दोनों ही अकेले थे, उसके जान-पहचान के कोई बाबा उसके घर पर आये हुए थे।

निशा बोली- ये बहुत ही अच्छी जन्म-पत्री देखते हैं। तुम अपनी जन्मपत्री इन्हें बताओ !

उसके कहने पर मैं मान गया और झट से अपनी जन्मपत्री बना कर उन्हें दिखा दी।

बाबा मेरी पत्री देख कर बोला- तुम एक वर्ण शंकर में हो।

तो निशा ने पूछा- इसका क्या मतलब बाबाजी ?

तो वो बोले- इसका मतलब यह है कि इस जातक के लिंग पर ३ तिल हैं, ये जातक विशेष होते हैं, इनमें स्त्री को वश में रखने की विशेष क्षमता होती है, इनकी दो शादियाँ होती हैं।निशा ने मुझसे पूछा- क्या यह सच है ?

मैंने कहा- मुझे नहीं मालूम !

तो बोली- जाओ और तुम यह देखकर बताओ।

मैं बाथरूम में गया और देखा तो सुचमच मेरे लिंग पर तीन तिल थे।

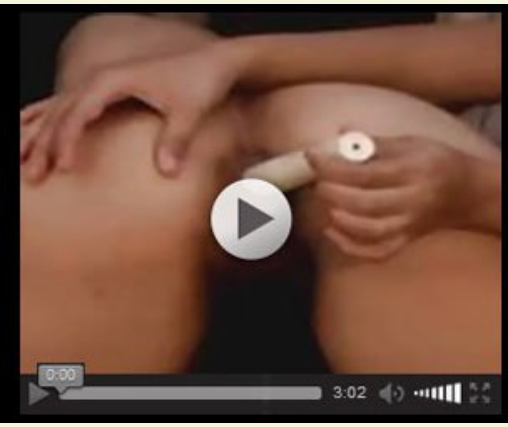

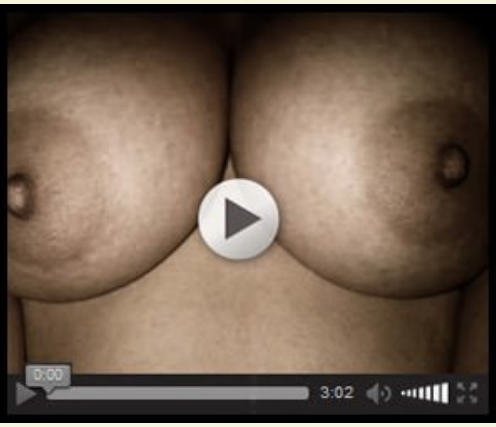

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने जाकर उसे बताया- सही है।

मुझे भी आश्चर्य हुआ, जो बात मुझे नहीं पता थी, आज वो एक अनजान बाबा ने मुझे बताई थी।

फिर वो बाबा बोला- आप किसी भी पराई औरत से सावधान रहें और हर किसी से सेक्स सम्बन्ध स्थापित न करें, नहीं तो इन तिल का मतलब ख़त्म हो जायेगा, इसका विशेष ध्यान रखें।

और चाय नाश्ता करके पचास रुपए की दक्षिणा लेकर बाबा चलता हुआ।

अब निशा ने जल्दी ही दरवाजा बंद किया और मेरे पास आकर बोली- जरा मैं भी तो देखूँ मेरे यार के लिंग का तिल !

और वो झुक गई, मेरी निकर की ज़िप से और मेरा लिंग बाहर निकाल कर ध्यान से देखने लगी और जोर जोर से चूमते करते हुए बोली – क्या बात है। तब ही तो मैं कहूँ क्या आलिशान लौड़ा है, मेरी चूत के लिए तो एकदम फिट है।

मैं बोला- बाबा ने परस्त्रीगमन का मना बोला है न, तुम अब मुझसे दूर रहा करो।

तो वो बोली- एक उपाय है।

मैं बोला- वो क्या ?

“हम दोनों गंधर्व विवाह कर लेते है।”

मैंने पूछा- वो कैसे ?

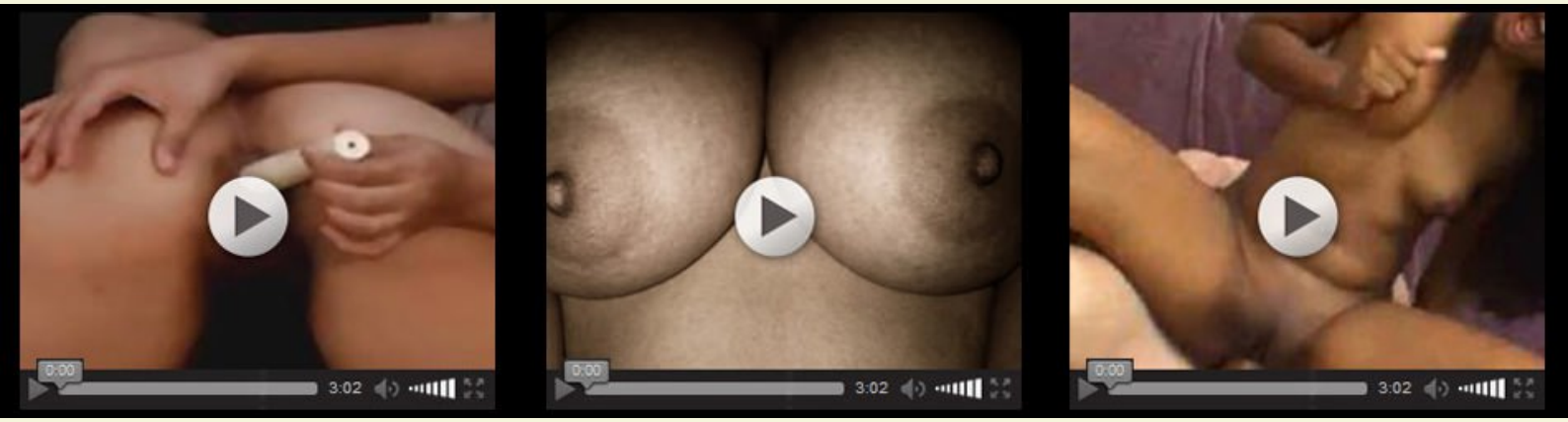

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तो निशा बोली- पुराने ज़माने में जब राजा महाराजा शिकार खेलने जाते थे तो कोई अपनी रानी को तो ले नहीं जाते थे, जंगल में जो भी सुन्दर औरत मिलती थी, तो उसे अपनी संगिनी बना लेते थे और अपनी कोई निशानी दे देते थे। ये विवाह कुछ समय के लिए ही होता है।

मैंने कहा- कोई जरूरी है ?

तो वो बोली- हाँ, मुझे तुम्हारा साथ जो चाहिए। यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं।

और वो अन्दर कमरे में गई और बन संवर कर दुल्हन के लिबास में आई तो मैं उसे देखता ही रह गया, क्या खूब लग रही थी, टिपिकल मराठा लड़की !

उसके हाथ में एक सिन्दूर की डिबिया थी, बोली- लो मेरी मांग भरो ! आज हम गंधर्व विवाह कर रहे हैं। हम दोस्त सही, पर कुछ समय के लिए हम पति-पत्नी बन कर रहेंगे।

और मैंने निशा की मांग में सिन्दूर भर दिया। अब हमने खाना खाया और वो मुझे अपने शयनकक्ष में ले गई, फिर बोली- आज अपनी सुहागरात है ! जी भर के मुझे प्यार करो, जैसे तुम चाहो ! आज से मैं तुम्हारी हूँ।

और हम दोनों ही बेड पर थे, मैंने निशा के सारे कपड़े उतार दिए, उसने मेरे भी ! फिर वो बोली- अन्नू, जब तुमने पहली बार पार्क में मुझे छुआ था, तब से मैं एक बात सोच रही थी कि तुम्हारे हाथों में जादू है। न जाने क्यों मैं पागल हो जाती हूँ, सारे बदन में एक करेंट सा फ़ैल जाता है ! जानू, मेरा तो रोम रोम खड़ा हो जाता है, ऐसा लगता है कि आज तक ऐसा स्पर्श मैंने कभी भी नहीं पाया। तुम्हारे छूने से, चूमने से मैं अति रोमांचित हो जाती हूँ, मुझे आज तक तुम जैसा मर्द नहीं मिला, यार तुम्हारे हाथों में तो कमाल का जादू है, अन्नू तुम

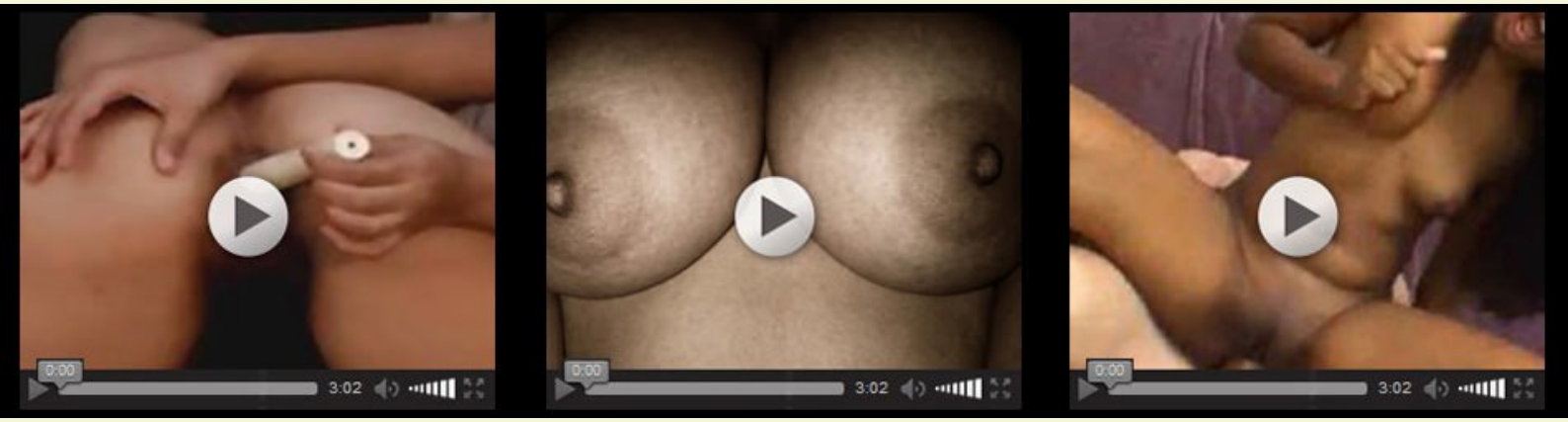

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे हो, जब चाहो मेरे पास आ जाना, मैं तुम्हारी हूँ और तुम्हारा स्पर्श पाकर मैं धन्य हो जाती हूँ। आज तो जी भर कर मुझे नख-शिख तक प्यार करो, जानू मैं तुम्हारी हूँ।

और मैंने उसे सर से पांव तक चूमा।

अब उसकी बारी थी, उसने भी मुझे सर से पांव तक चूमा। मेरा मन रोमांच से भर गया था और लिंग को किसी सुरक्षित स्थान की तलाश थी आराम के लिए !

वो पागलों की तरह मेरा लिंग मुह में लिए चूसती रही और बोली- सचमुच मैं कितनी भाग्य शाली हूँ कि तुम जैसा दोस्त मुझे मिला।

उस दिन हमने चार बार सेक्स किया दिन में 11 बजे से शाम 6 बजे तक।

फ़िर हम यदा-कदा मिलते और अपनी सेक्स की भूख मिटाते रहे। यह सिलसिला 5-6 साल तक चला।

फिर अकसर वो मुझसे कहती- अन्नू, तेरे साथ सेक्स किये बिना मुझे चैन नहीं मिलता, तुमसे मिलने के बाद सारा हफ्ता मजे से गुजरता है, पर एक ही सप्ताह तुम नहीं मिलते तो सारा बदन ऐंठने लग जाता है, लगता है कि भाग कर तुम्हारी बांहों में समा जाऊँ और तेरे हाथों का स्पर्श पा लूँ ! यार तुम तो कोई आसमानी बंदे लगते हो ! क्या जादू है रे तेरे हाथों में ! मैं तो दीवानी हूँ तेरी अन्नू ! आज जरूर मिलना ! मैं तेरे बिना पागल हुए जा रही हूँ अन्नू ! प्लीज़ वक्त निकाल लेना जानू !

इस तरह से वो मेरी सेक्स टीचर थी।

मेरी निशा अब कुर्ला छोड़कर बांद्रा में रहने लगी थी, मेरे लिए ऑफ रूट था बांद्रा, मैं कम ही मिल पाता था उससे।

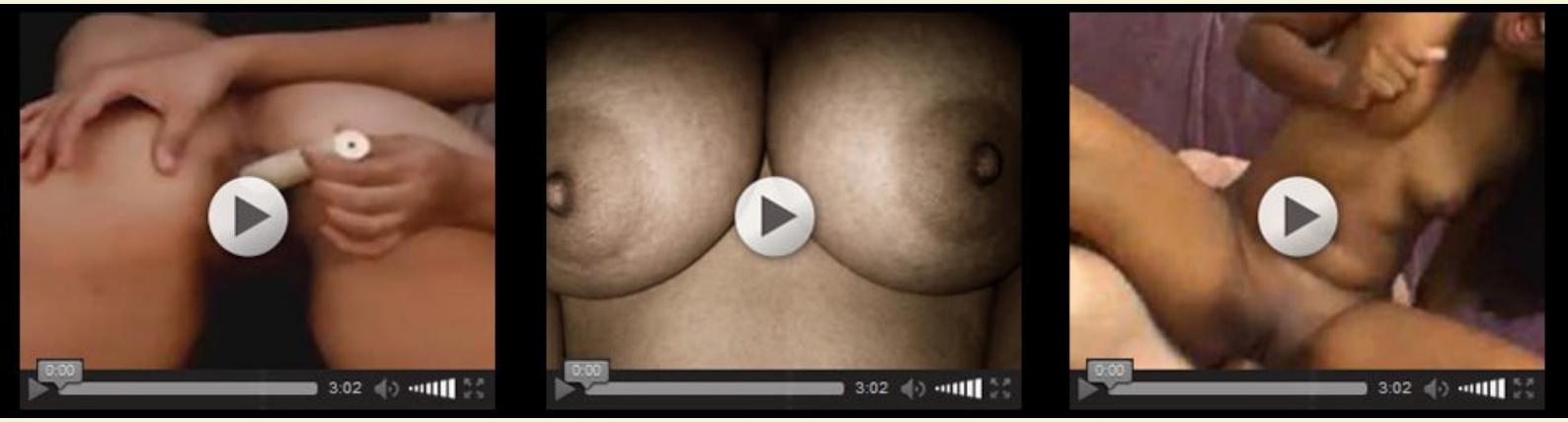

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आज भी कभी उसकी याद आ जाती है तो मन श्रद्धा से भर जाता है।

दोस्तो, यह है मेरी सच्ची कहानी !एक सभ्य और संभ्रांत सामाजिक पृष्ठभूमि से सम्बंधित नागरिक होने की वजह से मेरी भाषा में कोई बनावटी और गन्दी बातें नहीं हैं।

आपको कहानी कैसी लगी, जरूर बतायें।

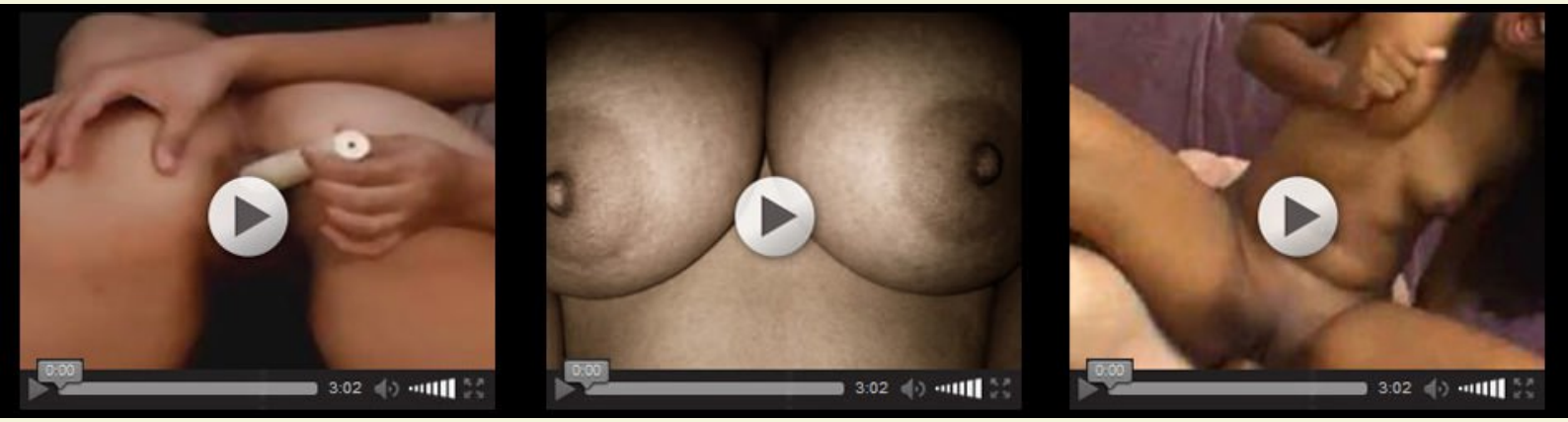

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

पड़ोसन देसी गर्ल को अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी पढ़वाई

मेरा नाम आदित्य है। मैं आगरा से हूँ। मेरे घर के पास एक लड़की रहती थी.. उसका नाम काजल है, मैं उसको रोज़ देखता था, कभी कभार उसे मिस काल भी करता था, मेरे पास उसका फ़ोन नम्बर था। एक […]
Full Story >>>

मुमताज की मुकम्मल चुदाई-2

संजय सिंह जैसे ही वो दोनों गईं, मुमताज आकर मेरे से चिपक गई और मुझे चूमने लगी। मैंने उसको बोला- मुमताज, पहले दरवाजा तो बंद कर दो, नहीं तो कोई देख लेगा। वो गई और जल्दी से दरवाज़ा बंद किया […]
Full Story >>>

जूही और आरोही की चूत की खुजली-22

पिंकी सेन हैलो दोस्तो, मज़ा आ रहा है न.. आरोही और जूही की चुदाई में.. आपकी राय के अनुसार ही मैंने बड़े आराम से चुदाई पेश की है और आगे के कुछ और भागों में भी यह चुदाई चालू रहेगी। […]
Full Story >>>

मैडम एक्स और मैं-4

इमरान ओवैश स्नान-सम्भोग के पूर्ण होने के उपरान्त हमने कायदे से स्नान किया और बाहर आ गये। काफी थकान हो चुकी थी, सो कुछ पल के आराम के बाद हमने खाना खाया और टीवी देखने लगे। टीवी देखते देखते सर […]
Full Story >>>

मेरी चालू बीवी-16

इमरान और चारों ओर काफी परदे लगे थे… मैं दो पर्दों के बीच खुद को छिपाकर… नीचे को बैठ गया… अब कोई आसानी से मुझे नहीं देख सकता था… मैंने अंदर की ओर देखा… अंदर दो तीन जमीन पर गद्दे […]
Full Story >>>

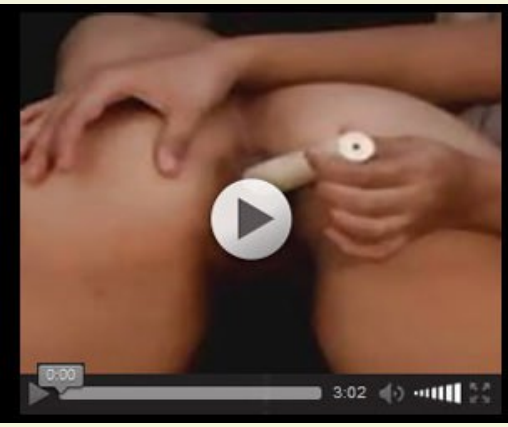
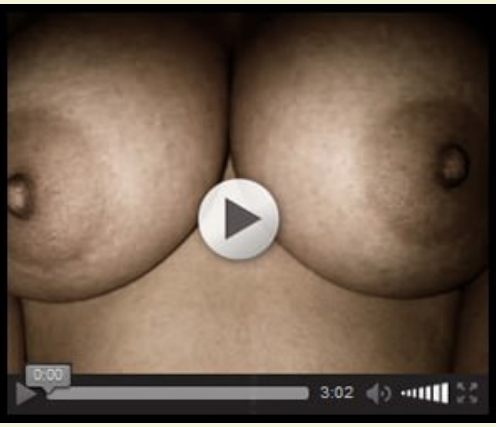

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Sex Chat Stories

Daily updated audio sex stories.

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Desi Kahani

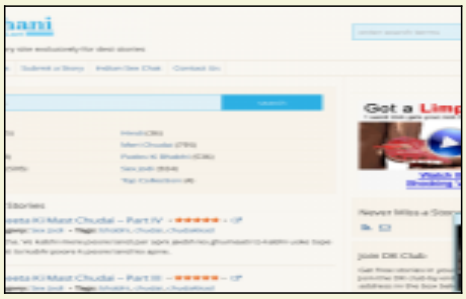

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Indian Sex Stories

The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Desi Tales

Indian Sex Stories, Erotic Stories from India.

Delhi Sex Chat

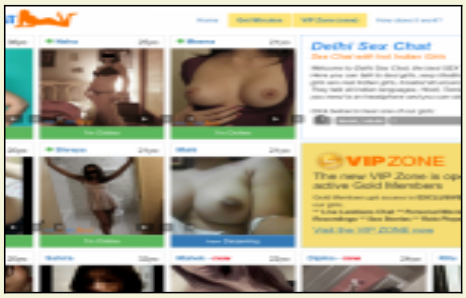

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire